विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 1 से 7 फरवरी 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 32 ❖ पृष्ठ 9 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

ज़ीवन के कड़वे सच

ज़ीवन में जो लोग पैसों की महत्ता रिश्तों से अधिक मानते हैं, वे कभी जीवन में सही मायनों में खुशी नहीं पा सकते हैं. पैसा खुशी का कारण बन सकता है लेकिन असली खुशी तो रिश्तों की आत्मीयता और समर्पण ही होता है. यह अगर नहीं है और करोड़ों की दौलत है तो वह आपकी मानसिक खुशी कभी नहीं दे सकती है. इसलिए रिश्तों के महत्व को सदैव समझें और उसका सम्मान करें.

ज़ीएसटी का सालान संग्रह बढ़ा

संग्रह सालाना आधार पर 10.4 प्रतिशत बढ़कर 1.72 लाख करोड़ रुपये से अधिक

नई दिल्ली, विशेष प्रतिनिधि- वित्त मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि जनवरी में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह सालाना आधार पर 10.4 प्रतिशत बढ़कर 1.72 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया. यह किसी महीने में अब तक का दूसरा बड़ा संग्रह है. देश में जीएसटी संकलन में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है. इसका असर निश्चित रूप से देश के विकास के साथ ही जरूरत की सुविधाओं पर पड़ने की संभावना जताई जा रही है.

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि जनवरी में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह सालाना आधार पर 10.4 प्रतिशत बढ़कर 1.72 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया. यह किसी महीने में अब तक का दूसरा बड़ा संग्रह है. चालू वित्त वर्ष में तीन महीने ऐसे रहे, जब संग्रह 1.70 लाख करोड़ रुपए या उससे अधिक रहा है. इससे जहां देश में व्यापारियों के व्यवसाय में वृद्धि का संकेत मिलता है, वहीं दूसरी ओर जीएसटी के माध्यम से लगातार बढ़ रही आय का उपयोग जनसुविधाओं को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है.

वित्त मंत्रालय ने कहा-जनवरी 2024 में (31-01-2024 की शाम पांच बजे तक) जमा सकल जीएसटी राजस्व 1,72,129 करोड़ रुपए है, जो जनवरी 2023 में एकत्रित 1,55,922 करोड़ रुपए के राजस्व से 10.4 प्रतिशत अधिक है.

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 के दौरान कुल सकल जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 11.6 प्रतिशत बढ़ा है. इन 10 महीनों में यह आंकड़ा एक साल पहले के 14.96 लाख करोड़ रूपए से बढ़ कर 16.69 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया.अप्रैल 2023 में अब तक का सबसे अधिक मासिक जीएसटी संग्रह 1.87 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया था.लगातार जीएसटी वसूली में वृद्धि के साथ ही देश की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो रही है.

ज़न्मदिन शुभकामनाएं

मुंबई के घाटकोपर निवासी ओमप्रकाश पांडेय सफलतम व्यवसायी के साथ ही दिलदार व्यक्ति हैं. उनका 1 फरवरी को जन्मदिन है. इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा समस्त दुबे परिवार की ओर से उन्हें मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी हों, महाकाल के चरणों में यही कामना, जन्मदिन पर उन्हें हमारी ढेरों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

क़ेरल जनपक्षम भाजपा में विलीन

नई दिल्ली- लोकसभा चुनाव से पहले केरल जनपक्षम (सेक्युलर) के प्रमुख पीसी जॉर्ज ने बुधवार को अपनी पार्टी का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय कर दिया. केरल के राजनीतिक मामलों के भाजपा प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में जॉर्ज अपने बेटे शॉन और केरल जनपक्षम (सेक्युलर) के अन्य नेताओं के साथ भाजपा में शामिल हुए.भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अनिल एंटनी ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा-आज पी सी जॉर्ज के नेतृत्व वाला केरल जनपक्षम (सेक्युलर) भाजपा में विलय कर रहा है और हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक भारत को 'विकसित भारत' में बदलने के दृष्टिकोण में पूरा भरोसा दिखा रहा है.भाजपा में जॉर्ज का स्वागत करते हुए एंटनी ने कहा, जनपक्षम का आज विलय केरल में एक ऐतिहासिक शुरुआत होगी जहां भाजपा अधिक से अधिक बढ़ेगी और भारत को एक विकसित देश में बदलने के प्रधानमंत्री के अभियान में योगदान देगी."

बीजेपी को मिलेगी मजबूती

पीसी जॉर्ज के बीजेपी में शामिल होने के बाद केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा, "उनके (पीसी जॉर्ज) नेतृत्व में केरल जनपक्षम का बीजेपी में शामिल होने से आने वाले चुनावों में पीएम मोदी का समर्थन करने वाली ताकतों को मजबूती मिलेगी. केरल के पास पीएम मोदी और बीजेपी के समर्थन में एक बड़ा

शेष पेज 2 पर

विशेष संपादकीय

बच्चों को मोबाइल खतरे से बचाना जरूरी

कोरोना महामारी के बाद कई समस्याओं के बीच में गंभीर समस्या मोबाइल गेमों से पैदा हुई. यह महामारी तो काफी हद तक शांत हो गई है लेकिन उस दौरान मोबाइल पर ऑनलाइन शिक्षा का समर्थन किया जा सकता लेकिन फिलहाल बच्चों में मोबाइल को लेकर जिस तरह से हद स्तर तक सोच बढ़ी है, उसके चलते यह सोचना मुश्किल है कि यह बच्चे भावी जीवन में कितनी तकलीफें अपने लिए जुटाएंगे. माता-पिता को चाहिए कि बच्चों को जितना संभव हो सके, शारीरिक खेल में लगाने का प्रयास करते हुए मोबाइल से कम से कम नाता जोड़ने का प्रयास करें. ब्रेन संबंधी बढ़ती समस्या को देखकर यह जरूरी हो गया है. बच्चों में मोबाइल को लेकर जिस तरह से उत्सुकता और तीव्रता बढ़ रही है, वह भविष्य के लिए खतरनाक है. पहले ही समुचित खान-पान के अभाव में बच्चे कमजोर हो रहे हैं, ऐसे में शारीरिक मेहनत से दूरी स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक है. कोरोना के कारण छात्रों की शिक्षा दो साल से इस कदर प्रभावित हुई है कि अभी भी आलसी बनने वाली नौबत छात्रों पर आई है. स्कूल खुल गए हैं लेकिन इसके बाद भी बच्चों में खेलों को लेकर जो उदासीनता छाई है, उससे यह पीढ़ी आगे जाकर अत्याधिक कमजोर होने का खतरा पैदा हो गया है. ऐसे में अभिभावकों को स्वयं को बच्चों के स्वास्थ्य के लिहाज से प्रगति करने के साथ ही यह भी ध्यान देना होगा कि मोबाइल से नाता तोड़े और मेहनती खेलों से नाता बच्चे कैसे जोड़ेंगे, इस दिशा में प्रयास करना होगा.बच्चों में पढाई को लेकर जो उत्साह पहले था, वह कम दिखाई दे रहा है. इसके अलावा बदली दिनचर्या भी प्रभावित ही दिखाई दे रही है. इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी परेशानी भी छात्रों को है. कईयों की आंखें ऑनलाइन पढ़ाई से प्रभावित हुई हैं.बच्चों को ऑनलाईन शिक्षा मोबाईल, लैपटॉप, कम्प्युटर पर दी जा रही थी. उसकी आदत भुलाने न तो बच्चे तैयार हैं और समयाभाव के कारण न तो बच्चे ही तैयार हैं. किंतु ऑनलाईन शिक्षा के लिए मोबाईल का उपयोग बढ़ने के कारण बच्चों की आंखों पर विपरित परिणाम दिखाई देने के कारण अनेक बच्चों को चश्में की सहायता लेनी पड़ रही है.बच्चों की शारीरिक क्षमता वृद्धी के साथ ही आंखों का ख्याल रखना भी आवश्यक हो गया है.वैसे भी टीवी व मोबाईल पर बच्चों का काफी समय दाता है. इसके कारण बच्चों में कुछ शारीरिक मर्यादा निर्माण होती है. इस स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए प्रत्येक पालक प्रयासरत है.बच्चों की आंखों पर ऑनलाईन क्लास के कारण गंभीर परिणाम हो रहे है. कुछ परिणाम दीर्घकालीन है. आज वे तीव्र महसूस नहीं होते फिर भी उनका खतरा अधिक है. इसलिए ऑनलाईन क्लास का अतिरिक्त तनाव बच्चों को देना खतरनाक साबित हो सकता है.लगातार मोबाईल पर नजर रखने के कारण आंखों की नसों पर तनाव आता है. किंतु बच्चों को इसके दुष्परिणाम ध्यान में नहीं आते.मोबाईल अथवा कम्प्युटर लगातार देखने के कारण आंखों की स्नायु में गैप बढी है.आंखों की पुरी हलचल नहीं हो पाती. जिसके कारण आंखों का पानी कम होता है. सुखी आंखों से जीवाणु बहकर नहीं जा सकने के कारण उसी प्रकार नमी नहीं रहने के कारण आंखों की बीमारियां बढ़ रही हैं. यह खतरनाक संकेत आगे के लिए घातक हैं.

मानवता की सेवा है आज जरूरी

विदर्भ स्वाभिमान

राय बताएं-9423426199

ज़ीवन में हर व्यक्ति को भगवान कोई न कोई खूबी से युक्त करते हैं. लेकिन कुछ ही लोग ऐसे होते हैं, जो अनगिनत खूबियों के भंडार होते हैं. ऐसे ही लोगो में हैं सफलतम व्यवसायी, संविधान विषय के व्याख्याता के साथ ही धार्मिक तथा सामाजिक कामों में जहां अग्रणी रहते हैं, वहीं सर्जनशीलता इतनी है कि सालभर विभिन्न उपक्रमों का कार्यक्रम चलता है. वे कहते हैं कि प्रभु ने जो दिया है, उसमें संतोष मानने के अलावा सदैव यही भाव रखना चाहिए कि प्रभु ने जो दिया है, वह हमारी योग्यता से अधिक दिया है. जीवन में संतोष धन-दौलत से नहीं बल्कि मानसिक सुकून से मिलता है. आज के दौर में यही गायब हो गया है.

सफलतम व्यवसायी के साथ अभी तक हजारों किताबों का गहन अध्ययन करने के साथ ही उनके सार निकालने वाले सुदर्शन गांग जितना बेहतरीन जानकारी भगवान महावीर के बारे में, गौतम बुद्ध के बारे में रखते हैं, उतनी ही व्यंकटेश्वर बालाजी, प्रभु श्रीराम सहित अन्यों की रखते हैं. उनका कहनाहै कि जीवन पानी का बुलबुला है, इसलिए ऐसे काम करने का प्रयास किया जाना चाहिए कि यह सदैव याद किया जाए.

भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी, बीजेएस रत्न सहित कई दर्जन पुरस्कारों से नवाजे गए और इतने ही संगठनों के पदाधिकारी रहने वाले सुदर्शनजी गांग आत्मीयता और प्रेम के महासागर कहे जा

सकते हैं. उनकी दूरदृष्टि, उनका विजन, मानव सेवा को लेकर उनकी सोच सहित अनगिनत खूबियों का उन्हें महासागर कहना गलत नहीं होगा. अपनापन तो ऐसा है कि पहली मुलाकात में ही वे सामने वाले को प्रभावित कर अपना बना लेते हैं. मानव सेवा के साथ ही अभिनंदन अर्बन को-आपरेटिव बैंक के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष के साथ ही जो भी जिम्मेदारी उन्हें दी जाती है, उसमें उनका समर्पण सभी को प्रभावित करता है. उम्र का तकाजा और उनकी सक्रियता युवाओं को भी शर्मसार करने में सक्षम है. कोरोना के बाद इन्सान खुद क्या है और प्रकृति क्या है, इसका पता चल गया है. वे हर कला में माहिर व विशेषज्ञ कहे जा सकते हैं. बैंक की अर्थसरिता किताब को उन्होंने अविस्मरणीय जहां बना दिया, वहीं दूसरी ओर मानवता, प्रेम, अपनापन, सेवाभाव, दूसरों को सम्मान देने के साथ ही आत्मीयता से दिल जीतने का मैग्नेटिक पॉवर उनमें है, इसका दर्शन सभी स्थानों पर सहजता से किया जा सकता है. सफलतम व्यवसायी, समाजसेवी, बैंकर, दिव्यांगों, गरीबों, कुष्ठरोगियों की सेवा के साथ ही मानवता के हर काम में आगे बढ़कर सहयोग करने वाले व्यक्ति हैं. अपने से छोटों को किस तरह सम्मान देना चाहिए, यह कोई उनसे सीखे. जिस तरह आम का लदा हुआ वृक्ष विनम्रता से झुक जाता है, कुछ उसी तरह का उनका व्यक्तित्व है.हरदिलअजीज, सभी को सम्मान देने के साथ ही छोटों कोप्यार और बड़ों को सम्मान देने वाले हैं. बैंक में काम करते समय उनकी दूरदृष्टि का अनुभव अक्सर आता है. उन्हें पिछले वर्ष राज्यभूषण सम्मान से नवाजा गया. इस तरह के व्यक्तित्व राष्ट्र के लिए भूषण से कम नहीं होते हैं. उन्हें जन्मदिन पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

सेवा परमो धर्म क़ो मानने वाले देवदूत हैं सुदर्शन जैन

विदर्भ स्वाभिमान

सर्वप्रथम सेवाभावी तथा बहुगुणी सुदर्शन गांगजी को जन्मदिन की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. ज़ीवन में अपने लिए तो सभी जीते हैं लेकिन समाज, राष्ट्र के लिए जीने वाले और सदैव सकारात्मक सोच के साथ काम करने वालों की संख्या कम हो रही है. सुदर्शन गांग जहां सफलतम व्यवसायी, आदर्श पार्टनर तथा सेवाभाव के साथ ही धार्मिक,सामाजिक उपक्रमों में स्वयं को समर्पित करने वाले व्यक्ति हैं, वहीं बेहतरीन और संवेदनशील इन्सान हैं. ज्ञान का अपार भंडार जहां उनकी खूबी है, वहीं दूसरी ओर दूसरों को सम्मान देकर उनके दिल में किस तरह स्थान बनाया जा सकता है, इसका आदर्श उदाहरण हैं. सेवा परमो धर्म को जीवन संस्कार मानने वाले तथा तमाम सम्पन्नता के बाद भी विनम्रता की प्रतिमूर्ति के रूप में सुदर्शनजी गांग का उल्लेख किया जा सकता है. पिछले 36 सालों से उनके साथ करीबी परिचय रहने के दौरान उनकी सादगी, उनका अपनापन, दूसरों को सम्मान देने और स्वयं पीछे रहने वाली विनम्रता केवल उनमें ही हो सकती है. यही कारण है कि आज तक उन्होंने बीजेएस रत्न सहित कई दर्जन पुरस्कार प्राप्त किए हैं. सभी दलों के नेताओं के साथ उनके आत्मीय संबंध जहां हैं, वहीं समाज सेवा, मानव सेवा, दिव्यांग सेवा जैसे कामों में कभी पीछे नहीं हटते हैं.

भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी, बीजेएस रत्न सहित कई दर्जन पुरस्कारों से नवाजे गए और इतने ही संगठनों के पदाधिकारी रहने वाले सुदर्शनजी गांग आत्मीयता और प्रेम के सागर हैं. साथ ही हर विषय में महासागर कहे जा सकते हैं. उनकी दूरदृष्टि, उनका विजन, मानव सेवा को लेकर उनकी सामाजिक, सेवाभावी सोच सहित अनगिनत खूबियों का उन्हें महासागर कहना गलत नहीं होगा. सहकारिता क्षेत्र की गहन सोच के साथ ही उनका विजन और टीम वर्क में विश्वास के कारण आज अभिनंदन अर्बन को-आपरेटिव बैंक न केवल जिले, विदर्भ बल्कि राज्यस्तर की शान बनी हुई है. बैंक ने 25 साल पूरा किया. सहकारिता बैंकों की भूषण के रूप में इसका उल्लेख किया जा सकता है. बैंक के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में बैंक को आगे बढ़ाने का उनका कार्य भी सराहनीय है. सेवा के प्रति उनका समर्पण सभी को प्रभावित करता है. उम्र का तकाजा और उनकी सक्रियता युवाओं को भी शर्मसार करने में सक्षम है.

गरीबों, आदिवासियों के मामले में उनकी गहन सोच का ही यह परिणाम है कि न केवल महाराष्ट्र बल्की राष्ट्रीय स्तर के समाजसेवी, पर्यावरण संतुलन के क्षेत्र में उनका कार्य सराहनीय है. सुख्यात फिल्म अभिनेता आमिर खान के पानी फाउंडेशन के साथ मिलकर उन्हों ने जिस तरह से जिले के वरूड़ तथा अन्य तहसीलों में जलस्तर बढ़ाने के लिए प्रयास किया, पौधारोपण के साथ ही जल है तो कल है के मामले में जिस तरह से लगातार प्रयासरत रहते हैं, उनके यह कार्य अमरावती के लिए गौरव की बात है. तमाम सफलता के बाद भी अभिमान से दूर तथा सादगीसे परिपूर्ण रहने वाले सुदर्शनजी गांग का व्यक्तित्व आसमान की ऊँचाई इतना विशाल रहने के बाद भी उनकी सादगी, विनम्रता साथ रहने वाले को भी प्रेरित करती है. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु कृपा बनी रहे, यही कामना.

पूरणसेठ हबलानी

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189 .अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com

ज़नहित में समर्पित पार्टी है शिवसेना शिंदे गुट

पार्टी जिलाध्यक्ष अरूणभाऊ पडोले का प्रतिपादन, ज़नता से मिल रहे अपार प्रेम पर जताया संतोष,मजबूत हो रही पार्टी

विदर्भ स्वाभिमान,31 जनवरी

अमरावती- ज़नता की सेवा ही शिवसेना का मुख्य उद्देश्य है. हमारे पार्टी प्रमुख स्वयं जमीन से जुड़े नेता हैं, यही कारण है कि जनता की चाहत और जरूरत उन्हें पता रहती है. शिवसेना शिंदे गुट राजनीति से अधिक समाजसेवा और विकास को महत्व देती है. अमरावती जिले में जिस तरह से पार्टी में लोगों का प्रवेश हो रहा है, युवा जिस तरह से आकर्षित हो रहे हैं, वह हमारे विश्वास का और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की जनकल्याण वाली नीति का परिचायक है. ईइस आशय का प्रतिपादन शिवसेना शिंदे गुट के जिला प्रमुख और सामाजिक तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर सदैव आक्रामक रहने वाले अरूण पडोले ने कही. उनके मुताबिक जिले में तेजी से पार्टी का विस्तार हो रहा है, विभिन्न स्थानों पर शाखाएं खुलने के साथ ही लोगों का रूख भी इस पार्टी की तरफ तेजी से बढ़ा है. आगामी समय में स्थानीय निकायों से लेकर विधानसभा और लोगकसभा में भी पार्टी का व्यापक प्रदर्शन रहने का विश्वास जताया.

उनके मुताबिक पार्टी प्रमुख एकनाथ शिंदे स्वयं जमीन से जुड़े नेता हैं. संघर्ष उन्होंने करीब से देखा है, इसलिए राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में भी उनकी कोशिश गरीब जनता को सदैव राहत देने की रहती है. शिवसेना शिंदे गुट द्वारा समाजसेवा को ही सर्वाधिक महत्व दिया जाता है.

लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए सदैव तत्पर रहने वाले अरूण पडोले के मुताबिक जनता का विश्वास और प्यार उनके लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण रहता है. यही कारण है कि वे लोगों की समस्याओं के निराकरण के साथ ही विकास कामों को अत्याधिक महत्व देते हैं. उनके मुताबिक राजनीतिक कम तथा समाजसेवा को अधिक प्राथमिकता देने की नीति पर वे सदैव चलते हैं. वे बताते हैं कि आज शिवसेना शिंदे गुट का जनाधार तेजी से जिले में बढ़ रहा है. यह मामूली बात नहीं है. लोगों का प्यार और जुड़ाव देखकर उन्हें अपार हर्ष होता है. विदर्भ स्वाभिमान के श्रीराम लला विशेषांक की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीरामहमारी अस्मिता तथा गौरव हैं. आज पूरा विश्व खुशी से झूम रहा है. प्रभु श्रीराम के मंदिर के निर्माण से लेकर जिस तरह से अयोध्या और उत्तर प्रदेश तथा राष्ट्र का विकास होगा, यह इसकी महत्ता को साबित करने के लिए काफी है.

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गरीबों के दर्द को जानते हैं. उन्होंने बचपन से स्वयं इन स्थितियों को झेला है. आज मुख्यमंत्री के रूप में उनकी प्रथम प्राथमिकता जनता ही होती है. यही कारण है कि महाराष्ट्र की जनता की सेवा में लगातार जुटे हैं. जीवन में बिना किसी प्रकार के स्वार्थ की की गई अच्छी और सच्ची सेवा कभी भी बेकार नहीं जाती है. प्रभु ने इन्सान के रूप में सबसे प्यारा जो जीवन दिया है, अपने प्रपंच को संभालते हुए हमें मानवता की संभव उतनी सेवा करने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने के बाद इसका फल प्रभु या प्रकृति किस रूप में दे देंगे, यह कोई नहीं जानता है. इसलिए जितना संभव हो, सदैव अच्छी सोच के साथ ही सच्ची और अच्छी सेवा करने का प्रयास करना चाहिए.कुछ रिश्ते दुनिया में ऐसे होने चाहिए, जो निस्वार्थ हों और उन रिश्तों पर आपको और उस व्यक्ति को भी गर्व होना चाहिए. सफलतम व्यवसायी के साथ ही शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता के रूप में अरूण पडोले जहां पार्टी की मजबूती के लिए लगातार प्रयासरत रहते हैं, वहीं दूसरी ओर उन्होंने पार्टी के पदाधिकारियों को सम्मान देने के साथ ही कार्यकर्ताओं को जोड़ने के लिए आत्मीयता का सहारा लेते हैं. कार्यकर्ता के हर सुख और दुःख को समझने और उसका निराकरण करने का प्रयास करने वाले नेता के रूप में उनकी ख्याति है. यही कारण है कि अमरावती जिले में आज शिवसेना शिंदे गुट मजबूती के साथ उभर रहा है. वे कहते हैं कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा गरीबों और जरूरतमंदों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के आग्रह का पूरी पार्टी पालन करती है. जिले में तेजी से पार्टी का जनाधार बढ़ने की जानकारीदी

श्रीरामलला विशेषांक सराहनीय प्रयास- नमिता तिवारी

शिवसेना शिंदे गुट की महिला जिला प्रमुख नमिता तिवारी ने भी विदर्भ स्वाभिमान के श्रीरामलला विशेषांक की सराहना की. साथ ही जिला प्रमुख अरूण पडोले के नेतृत्व में पार्टी तेजी से आगे बढ़ने की बात कही. अरूणभाऊ पडोले जहां सभी को साथ लेकर चलते हैं, वहीं कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में दौड़ने के कारण उन्हें अपार सम्मान दिया जाता है. सभी पदाधिकारियों के साथ ही कार्यकर्ताओं को भी साथ लेकर चलना, सभी को सम्मान देने के साथ ही योग्यता के मुताबिक जिम्मेदारी देने वाले अरूण पडोले के कारण जिले में तेजी से पार्टी मजबूत हो रही है. आगामी स्थानीय निकाय चुनावों से लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भी पार्टी द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन करने का विश्वास जताया.पार्टी द्वारा अभी से बेहतरीन नियोजन किया जा रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

सहकारिता क्षेत्र की शान है महात्मा फुले बैंक सभी का विकास: अजय सिनकर

अमरावती- विदर्भ में सहकारिता क्षेत्र की विश्वसनीय और सभी को साथ में लेकर चलने वाली और ग्राहकों का विश्वास जीतने वाली बैंक के रूप में महात्मा फुले कॉऑपरेटिव बैंक लि. की ख्याति है. बैंक का घोषवाक्य ही सभी की खुशियों का जिक्र करता है. संचालक मंडल के कुशल मार्गदर्शन में बैंक द्वारा लगातार ग्राहकों का विश्वास जीतने में कामयाबी मिल रही है. संस्था में समर्पित पदाधिकारी और कर्मचारी रहने के बाद संस्था प्रगति करती है. महात्मा फुले सहकारी बैंक आज संयुक्त प्रयासों के कारण ही ग्राहकों के दिलों में स्थान बना रही है. बैंक के संचालक तथा पदाधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन और ग्राहकों के विश्वास के कारण बैंक ने कई कामयाबी प्राप्त की है. इस आशय का मत बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय सिनकर ने व्यक्त किए.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए सहकारिता क्षेत्र में गहन अभ्यासक और सभी को साथ लेकर और सम्मान देकर काम करने में विश्वास रखने वाले अजय सिनकर ने कहा कि बैंक अध्यक्ष, संचालक मंडल के समर्पण के कारण ही बैंक ने यह कामयाबी हासिल की है. बैंक के संचालकों की दूरदृष्टि और जनहित में विभिन्न योजनाओं को लाने के साथ ही लोगों को इसमें हरसंभव मार्गदर्शन करने के कारण लोगों का विश्वास जीतने में बैंक सफल रही है. उसकी कामयाबी का यही सबसे बड़ा राज रहने की बात अजय सिनकर ने कही. उनके मुताबिक अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण के साथ ही ग्राहकों को जल्द और विश्वासनीयसेवा देने में निभाई जाने वाली भूमिका का बैंक की तरक्की में अहम योगदान है. आज बैंक द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में योगदान देने के साथ ही रोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया जाता है. उनके मुताबिक हर व्यक्ति में गुण होते हैं, कोई भी काम छोटा नहीं होता है. हर काम को बेहतरीन ढंग से करने का प्रयास करना चाहिए. जीवन में अच्छे लोगों का साथ इसे संवारने का काम करता है. कोई भी काम को छोटा नहीं आंकना चाहिए, ऐसा सोचने वाला जीवन में कभी पीछे नहीं आ सकता है. क़ाम के प्रति समर्पण और संघर्ष के साथ ही निश्चल भाव से पूरा मन लगाकर काम करने की तैयारी ही व्यक्ति को जीवन में कामयाबी प्रदान करती है. जीवन में जो भी जिम्मेदारी सौंपी जाए, उसका अपने स्तर पर बेहतरीन तरीके से निर्वहन ही जीवन में कामयाबी देता है.सहकारिता क्षेत्र की सुख्यातमहात्मा फुले अर्बन बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय सिनकर समर्पित अधिकारी के साथ ही बेहतरीन इन्सान है. उनके मुताबिक बैंक द्वारा मानवता को केन्द्र में रखते हुए काम किया जाता है. यही कारण है कि बैंक ने अपार लोकप्रियता और अभी तक राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार भी प्राप्त किए हैं. बैंक के अधिकारी और कर्मचारियों के समर्पण से जहां ग्राहकों को खुशी मिलती है, वहीं दूसरी ओर बैंक के कामकाज में पारदर्शिता उसकी दूसरी खूबी है. वहीं बैंक के कर्मियों में अपनेपन तथा समर्पण भाव ने बैंक को आसमानी कामयाबी प्रदान की है.अजय सिनकर को भी बेहतरीन बैंक अधिकारी के रूप में अभी तक कई पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं.बैंक अध्यक्ष तथा संचालक मंडल द्वारा बैंक कर्मचारियों को सम्मान देने के साथ ही अच्छे कामों को सदैव प्रोत्सहित करने के कारण अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा समर्पित भाव से काम किया जाता.

पर्यावरण को भी अत्याधिक महत्व देते हैं पं. प्रदीप मिश्रा

विदभ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

पौधारोपण को देते हैं सर्वाधिक महत्व

श्री विट्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा बदलते मौसम और पर्यावरण के मामले में सर्वाधिक संवेदनशील रहने वाले आचार्य हैं. उनकी कथाओं में जहां प्रकृति की सुरक्षा को लेकर वे गंभीर रहते हैं. पौधारोपण के साथ ही प्रकृति के महत्व पर उनके प्रवचनों के माध्यम से जहां प्रकाश डालते हैं, वहीं इस काम में स्वयं भी सहभागी होते हैं. यही कारण है कि पर्यावरण सेवा के उनके कामों को ध्यान में रखते हुए अभी तक कई पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं. समूचे देश में शिवालयों की हालत सुधारने में उनका जहां योगदान है, वहीं सनातन धर्म बढ़ाने में सक्रिय हैं.

ख़ुशियां बांटते रहें, कम नहीं होंगी

सनातन धर्म की खूबियों को बताने के साथही भारतीयता को पूरी तरह से समर्पित पंडित प्रदीप मिश्रा का कहना है कि इन्सानियत का धर्म सबसे बड़ा धर्म है. यही कारण है कि इस धर्म का ईमानदारी से पालन अगर देश के सभी नागरिक करने लग जाएं तो दुनिया में भारत को सोने की चिड़िया और विश्व गुरू बनने में किंचित भी देर नहीं लगेगी. उनका कहना है कि मानवता से बड़ा धर्म नहीं है. वे कहते हैं कि मानवता का धर्म सभी के निभाने से निश्चित तौर पर हर व्यक्ति के जीवन में खुशियां आएंगी. धार्मिकता के साथ ही राष्ट्रीयता की भावना को जहां बढ़ाते हैं, वहीं दूसरी ओर मानवता की सेवा के लिए कुबेरेश्वरधाम सदैव समर्पित रहता है. यहां रोज चलने वाला अन्नदान का काम निरंतर चलता है. गरीबों, जरूरतमंदों की मदद के साथ ही अन्य सेवाओं के कारण ही यह केन्द्र देशभर ही नहीं तो विश्वभर में सुख्यात हो रहा है. कथा में राष्ट्र प्रेम, देशभक्ती के साथ ही मानवता को प्रोत्साहन देने वाली बातों का गौर करते हैं. देशभक्ति के साथ ही समाज सेवा,मानवता की सेवा उनका महत्वपूर्ण विषय रहती है.मानवता की सेवा से बड़ी सेवा नहीं होती है. इसी की सीख पूज्य गुरू पंडित प्रदीप मिश्रा अपनी कथाओं के माध्यम से देते हैं.समाज तथा देश के विकास में धार्मिकता के साथ ही योगदान दे रहे हैं. कुबेरेश्वरधाम को उन्हों ने मानवता की सेवा का केन्द्र बना दिया है.उनके मुताबिक जल है तो जीवन है. उसके लिए पर्यावरण सुरक्षा जरूरी है.

ग्राम पंचायत कार्यालय,शिंगणापुर

ता. दर्यापुर, जि.अमरावती

निविदा सूचना क्रमांक 01 दिनांक 31-01-2024

ग्राम पंचायत कार्यालय,शिंगणापुर, ता. दर्यापुर, जि. अमरावती यांचे मार्फत 15 व्या वित्त आयोग अंतर्गत खालील कामाची मोहोरबंद बी-1 निविदा करीता जि.प.बांधकाम विभाग किंवा सार्वजनिक बांधकाम विभाग यांच्या वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून निविदा मागविण्यात येत आहे.

अनु. क्रमांक	क़ामाचे नाव	अंदाजित कीमत रू. (लक्ष)	क़ोऱ्या निविदा कीमत	बयाना रक्कम	लेखा शीर्षक	क़ंत्राटदारांचे वर्गी करण	क़ामाची मुदत महीने	निविदा पद्धती
1	बंधित सि.कां.नाली वार्ड नंबर 1	1,50,000/-	200/-	1500/-	15वां वित्त आयोग	5 व वरील	3 महीने	बी-1
2	बंधित सि.कां.नाली वार्ड नंबर 2	1,50,000/-	200/-	1500/-	15वां वित्त आयोग	5 व वरील	3 महीने	बी-1
3	बंधित सि.कां.नाली वार्ड नंबर 3	1,50,000/-	200/-	1500/-	15वां वित्त आयोग	5 व वरील	3 महीने	बी-1
4	बंधित सि.कां.नाली वार्ड नंबर 4	1,50,000/-	200/-	1500/-	15वां वित्त आयोग	5 व वरील	3 महीने	बी-1
5	नालीवर सीमेंट रपटे	71,992/-	200/-	720/-	15वां वित्त आयोग	5 व वरील	3 महीने	बी-1

1. बी-1 साठी कोऱ्या निविदा विक्री 01-02-2024 ते 11-02-2024 कार्यालयीन वेळेत.
2. अनामत रक्कम स्वीकारण्याची दिनांक 01-02-2024 ते 11-02-2024 कार्यालयीन वेळेत.
3. सीलबंद बी-1 निविदा व दरपत्रक स्वीकारण्याचा दिनांक 01-02-2024 ते 11-02-2024 कार्यालयीन वेळेत.
4. सीलबंद बी-1 निविदा दरपत्रक उघडण्याचा दि. 12-02-2024 दुपारी 11 वाजता. किंवा मासिक सभेत.

टिप :-
1. बी-1 निविदेच्या अटी व शर्ती ग्राम पंचायत कार्यालयात पहावयास मिळतील.
2. बी-1 निविदा ह्या दो लिफाफा पद्धतीने सादर करावयाचा आहेत.
3. बी-1 निविदा स्वीकारण्याचे तसेच काही कारणास्तव नाकारण्याचे अधिकार ग्राम पंचायत शिंगणापुर यांनी राखून ठेवले आहे.

सरपंच/सचिव
ग्राम पंचायत शिंगणापुर
पं.स.दर्यापुर, जि.प.अमरावती.

समर्पण और लगन असंभव को संभव कर दिखाता है

प्रतिनिधि/विदर्भ स्वाभिमान

अमरावती,31 ज़नवरी - जीवन में प्रभु द्वारा जो जिम्मेदारी दी जाए, उसे बेहतरीन तथा समर्पण भाव से निभाने की मानसिकता रहने पर उसमें कामयाबी निश्चित रहती है. मेहनत, लगन और समर्पण ही कामयाबी का सूत्र होता है. कोई काम छोटा या बड़ा नहीं समझते हुए उसे पूरा करने का प्रयास करना चाहिए. यदि सभी लोग बेहतरीन तरीके से निभाएं तो निश्चित ही जीवन में सफलता के साथ ही समाज और राष्ट्र की सफलता भी तय रहती है. इसलिए जितना संभव हो सके, हम अपने काम के प्रति समर्पित होकर काम करें और सदैव यही भाव रखें कि प्रभु ने हमें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे हम किस तरह से बेहतरीन ढंग से निभा सकते हैं. जीवन में खुशियां और प्रेम बांटने से बढ़ते हैं. इसके लिए यह भाव रखना चाहिए कि अगर हम किसी को सुख नहीं दे सकते हैं तो दुःख देने का कतई अधिकार नहीं है.

जाने-माने शिक्षाविद और विश्वभारती विद्यालय ग्रुप के महासचिव डॉ. अश्विनीकुमार वाजपेयी के मुताबिक शिक्षा से ही व्यक्ति संवरता है. आगामी पीढ़ी के लिए आज शिक्षा के अनगिनत साधन आ गए हैं. जीवन में अच्छी सोच और मेहनत ही हर तरह की कामयाबी दिलाती है. इसलिए सदैव अच्छी सोच के साथ ही दूसरों को खुशी देने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने से हमारी खुशी बढ़कर हमें मिलती है. जिंदगी किसी चुनौती से कम नहीं है, लेकिन सकारात्मक सोच जिंदगी को खुशनुमा बनाती है.सकारात्मक सोच से ही व्यक्ति आगे बढ़ता है और लोगों को जोड़ता है. इसलिए सदैव अच्छी सोच रखने की सीख डॉ. अश्विनीकुमार वाजपेयी ने दी. राष्ट्रीय स्तर के शिक्षाविद डॉ. अश्विनीकुमार वाजपेयी सामाजिक और मानवीय कामों में भी सदैव आगे रहते हैं. उनके मुताबिक श्रीराम चरितमानस में भी परिवार, समाज की एकता पर जोर दिया गया है. जहां सुमति तहं सम्पति नाना, जहां कुमति तहं विपती निदाना. जहां समझदारी है, सुमति है, वहां सभी चीजें आसान होती हैं. लेकिन

जहां तनाव है, वहां सत्यानाश ही होता है. इसलिए मिलकर कोई भी काम करने और एकजुट रहने का प्रयास करना चाहिए. उनके मुताबिक प्रेम और खुशियां देने से बढ़ती है. उसी तरह जब हम किसी को सम्मान देते हैं, प्रेम देते हैं तो वह बढ़कर हमें मिलती है. ऐसी सोच ही विश्व में भारत को आगे बढ़ाएगी.जितना संभव हो सके, खुशियां बांटने का प्रयास करना चाहिए.भारतीयता और भारतीय संस्कारों को अत्याधिक महत्व देने वाले डॉ. अश्विनीकुमार वाजपेयी का कहना है कि भारतीय संस्कारों का अनुकरण आज पूरा विश्व इसीलिए कर रहा है. क्योंकि सभी जानते हैं कि भारतीय आदर्श संस्कारों का तोड़ कहीं नहीं है. हम जिस भी क्षेत्र में हैं, उसमें जान झोंककर कार्य करें और अपने पद के साथ न्याय करने का प्रयास करें.सभी के प्रयास से परिवार, समाज और राष्ट्र का विकास होता है.

भारत है युवाओं का देश, यही बनाएंगे देश को महान

युवा व्यवसायी,समाजसेवी अभिषेक पंजापी की राय बदल रहा है मेरा देश, युवाओं में बढ़ रही है जिम्मेदार, अच्छा करें अच्छा होगा

भारत को युवाओं का देश कहा जाता है. यही कारण है विश्व में सबसे ताकतवर देश बनने की क्षमता भारत में ही है. भारतीय युवकों में जिम्मेदारी का भान हो रहा है. केवल व्यसन और लतखोरी युवा पीढ़ी छोड़ दे तो परिवार को संवारने से लेकर समाज और देश क आगे बढ़ाने की ताकत युवाओं में है. इस आशय का मत शिव स्पोर्टस के संचालक, युवा व्यवसायी के साथ ही सामाजिक कामों में अग्रणी रहने वाले अभिषेक पंजापी शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर के सुख्यात व्यवसायी के रूप में पहचान रखते हैं. उनका कहना है कि युवाओं ने जिस दिन स्वयं की ताकत को पहचान लिया, उसी दिन से उनकी प्रगति की शुरूवात होती है. जीवन में धन कमाना ही जरूरी नहीं होता है. धन जरूरत है लेकिन इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि मानवता की सेवा भी करने का प्रयास करें. जीवन में जितना संभव हो सके, नेक कामों से पुण्य कमाने का काम करना चाहिए. क्योंकि की गई अच्छाई कभी बेकार नहीं जाती है. जीवन में सफलता के लिए मेहनत, संघर्ष और समर्पण जरूरी रहता है. की गई अच्छाई बढ़कर ही आती है.

व्यवसाय के साथ ही समाजसेवा के क्षेत्र में सुख्यात और सेवाभावी व्यक्ती के रूप में जिले में पहचान रखने वाले अभिषेक पंजापी माता-पिता के भक्त आदर्श युवक के साथ ही सफलतम व्यवसायी हैं. भाई मुकेश पंजापी के साथ जहां उन्हों न व्यवसाय के क्षेत्र में आसमानी ऊंचाई छूई है, वहीं भाजपा नेताओं के साथ सर्वदलीय नेताओं के साथ उनके करीबी संबंध हैं. विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि हर क्षेत्र में चुनौती है.

माता-पिता के भक्त के साथ ही अभिषेक पंजापी सफलतम व्यवसायी हैं. हजारों मित्रों को उन्होंने जहां जोड़ा है, वहीं दूसरी ओर ज़ीवन में सामाजिक कामों में सदैव अग्रणी रहते हैं. माता-पिता की सेवा और उन्हें सम्मान देने के साथ ही उन्हें खुश रखने वाला व्यक्ति कभी भी पीछे नहीं हटने का दावा वे करते हैं. माता-पिता की सेवा के साथ ही समाज और राष्ट्र की सेवा की जरूरत अभिषेक पंजापी जताते हैं. ऐसे युवक हैं, जो सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. रक्त की जरूरत किसी भी मरीज को रहने पर चौबीसों घंटे सेवा देने के लिए जहां तत्पर रहते हैं, वहीं ग़णेशोत्सव के साथ ही अन्य सेवाभावी कामों के लिए भी अभिषेक तत्पर रहते हैं. व्यवसाय में सफलता के साथ ही हजारों मित्रों का ग्रुप उन्हों ने तैयार किया है. रक्तदान के मामले में अमरावती जिला सर्वाधिक समृद्ध रहने की बात कहते हैं. उनके मुताबिक जिंदगी का भरोसा नहीं है, इसलिए केवल पैसे को महत्व देने के बजाय जितना हो सके, नेक कामों में भी योगदान सभी को देना चाहिए.इन्सान के रूप में किसी पीड़ित की मदद करने का प्रयास सभी को करना चाहिए. जीवन में जितने भी पल मिले हैं, उसका सही सदुपयोग करते हुए जितना नेक कामों में योगदान हो सके, उतना करने का प्रयास करना चाहिए. इससे मिलने वाली उर्जा बड़े से बड़ा काम कर जाती है. युवा पीढ़ी में अपार क्षमता है, लेकिन आलस्य के कारण वे आगे नहीं बढ़ पाते हैं. माता-पिता के आदर्श भक्त रहने वाले अभिषेक शहर की हर गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं. उनका कहना है कि आज युवा पीढ़ी में मेहनत की कमी दिखाई देने से समस्या दिखाई देती है. जब हम मेहनत करते हैं तो सफलता निश्चित मिलती है, इस सिद्धांत को युवा पीढ़ी भूल रही है. अगर युवा पीढ़ी व्यसनों को छोड़कर जीवन में आगे बढ़ने का प्रयास करे तो उसे कोई नहीं रोक सकता है.

जरूरतमंदों का सहारा बनी है परशुराम अन्नदान समिति

विदर्भ स्वाभिमान/ 22 नवंबर

अमरावती- मानवता की सेवा के लिए माध्यम की जरूरत होती है. माध्यम तैयार करें और नेक दिल से काम में लगे रहें तो कभी किसी चीज की ऊपरवाला कमी नहीं पड़ने देता है. इसका उदाहरण हैं परशुराम अन्नदान समिति. लगभग तीन साल के करीब सेवा करते हुए पहुंच रही समिति द्वारा रोज सैकड़ों गरीबों, जरूरतमंदों और मरीजों की सेवा की जाती है. 885 दिन की सेवा अविरत जारी है और लोग भी इसमें जुड़ते और मदद करते जा रहे हैं. इससे मनीष चौबे और टीम को हिम्मत के साथ प्रोत्साहन भी मिल रहा है. क्षुधा शांति के रूप में डॉ. पंजाबराव देशमुख मेडिकल कॉलेज के मरीजों और उनके परिजनों की सेवा यह समिति कर रही है. समिति को सैंगकड़ों लोगों द्वारा योगदान दिया जा रहा है.

कहते हैं कि दिल से किया गया कोई भी काम विफल नहीं होता है. केवल काम की सोच अच्छी हो और उसे समर्पित भाव से करने की इच्छा हो तो प्रभु ऐसे अच्छे काम में सदैव ताकत देते हैं. श्री परशुराम अन्नदान समिति ने इस बात को साबित किया है. दो साल से अधिक समय 800 दिन का सफर पूरा करने के साथ ही लोगों का विश्वास जीतने में कामयाबी पाई. कुछ लोग जहां समिति के कामों को लेकर छींटाकशी करते थे, उनका मुंह बंद करने और गरीबों की दुवाओं के आधार पर लोगों का विश्वास जीतने में समिति ने सफलता प्राप्त की. इस दौरान जिस तरह से शहरवासियों विशेष रूप से युवाओं का साथ मिलता रहा है, उसको लेकर स्वयं मनीष चौबे को भी हैरत होती है. वे कहते हैं कि अमरावती शहर नेक कामों में सदैव आगे रहने वाली नगरी का उन्हें अनुभव आया है.मनीष चौबे और कई युवा मित्रों द्वारा मिलकर लोगों द्वारा मिलकर दो साल से अधिक समय तक हजारों लोगों को भोजनदान का उपक्रम चलाना मजाक नहीं है. लेकिन इसके साथ ही यह भी सच है कि अगर दिल में सच्चाई की भावना है और नेकी करने का इरादा है तो प्रभु का साथ मिलता ही है. ऐसे उपक्रमों के लिए प्रभु सदैव नेक लोगों को जोड देते हैं. इसका सबूत परशुराम अन्नदान सेवा समिति है. सालभर से अधिक समय से नॉनस्टॉप तरीके से यह उपक्रम चल रहा है. कई ऐसे लोग भी इसमें जुड़ते जा रहे हैं, जो सक्रिय रूप से जुड़ने की चाहत रखते हैं. युवाओं की टीम के साथ ही समर्पित लोगों का जुड़ाव इसे मजबूत बना रहा है. समिति के पदाधिकारियों का समर्पण, लोगों का साथ और लगातार बढ़ती लोकप्रियता जैसी खूबियों के कारण यह सिलसिला बढ़ता जा रहा है. यही कारण है कि मानवता की सेवा का यह दीपक सदैव जल रहा है. इतना ही नहीं तो इसमें स्वयं इच्छा से तेल डालने वालों की कमी भी प्रभु नहीं पड़ने देंगे, ऐसा विश्वास जताया जा रहा है. स्वयं मनीष चौबे और उनके भाई साहब के साथ ही सभी सदस्यों का सामाजिक समर्पण निश्चित ही इस मानवता के मिशन को कभी खंडित नहीं होने देगा. लोग इससे जुड़ रहे हैं. जिस तरह से सर्वधर्म समभाव का स्वरूप इस मिशन को मिल रहा है, सभी जाति, धर्म के लोग इसमें योगदान दे रहे हैं, समिति के काम से प्रभावित होकर अंबुलेंस चालक जैसा व्यक्ति अगर योगदान देने तत्पर है तो इससे बड़ा सबूत नेकी को साथ मिलने का और क्या हो सकता है.इस नेक काम से लोगों का जुड़ाव शुरू रहने से इसे आर्थिक ताकत भी मिलने से चौबे प्रोत्साहित हैं.

महाराष्ट्र शासन
संकल्पपूर्ती
महाराष्ट्राची
नवनिर्मिती सुराज्याची!
प्रजासत्ताक दिन चिरायू होवो...!
देवेंद्र फडणवीस
उपमुख्यमंत्री
नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री
एकनाथ शिंदे
मुख्यमंत्री
अजित पवार
उपमुख्यमंत्री
www.mahasamvad.in
MaharashtraDGIPR
MahaDGIPR
माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, महाराष्ट्र शासन

हर घर में हो यह किताब

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए. जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं पर बसते हैं.आजमाकर देखें.

मो. 9423426199/8855019189

मेहनत,लगन और काम के प्रति समर्पण से ही प्रगति संभव

अमरावती- ज़ीवन में किसी भी क्षेत्र में भरपूर स्पर्धा है. लेकिन इस स्पर्धा में जीतने के लिए विनम्रता जरूरी होती है. अहंकार से व्यक्ति स्वयं का नुकसान करता है. लेकिन विनम्रता सदैव लाभ दिलाती है. इसलिए जितना संभव हो सके, किसी को अपना बना लो या फिर किसी के बन जाओ. ऐसा करने वाले व्यक्ति के जीवन में न तो कभी खुशियां कम होती हैं और न ही वह व्यक्ति कभी असफल होता है.विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए शून्य से संसार बनाने वाले तथा सफलतम युवा व्यवसायी संजय विजयकर ने कहा कि युवाओं में आज मेहनत से जान बचाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है. लोग कहते हैं काम नहीं है, जबकि सच्चाई यह है कि काम करने वालों की कमी सबसे बड़ी समस्या है. युवाओं में व्यसन तेजी से बढ़ना भी चिंतनीय है. संजय विजयकर ने इसके इसी तरह उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की.

बंडू बेल्ट के संचालक संजय विजयकर भी शहर के ऐसे ही व्यक्ति हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और समर्पण के साथ विनम्र स्वभाव के कारण इस क्षेत्र में जोरदार नाम कमाया है. सादगी पसंद और यटारों का दिलदार यार संजय के स्वभाव को देखकर लगता नहीं कि उसने युवाओं के सामने आदर्श स्थापित किया है. दो-दो दुकानों का संचालन करने के बाद भी संजय के मन में कभी गर्व नहीं रहता है. बातचीत में वे बताते हैं कि माता-पिता का आशिर्वाद और मेहनत के बलबूते यहां तक पहुंचा है. बेहतरीन सहयोगियों के कारण आज इस क्षेत्र में नाम चलता है. जयस्तंभ चौक के करीब स्थित बंडू बेल्ट नामक प्रतिष्ठान ने ग्राहकों के दिलों में स्थान बनाया है. कई लोगों को संघर्ष से एलर्जी होती है. लेकिन हम भूल जाते हैं कि संघर्ष की राशि ही सफलता की भी राशि होती है. असफलता इस बात का सबूत होती है कि प्रयास में कमी है. इसलिए हमें तब तक संघर्ष प्रसन्न होकर करना चाहिए, जब तक कि सफलता नहीं मिलती है. जीत का जज्बा ही जीत दिलाता है. लेकिन आजकल कोई शुरूवात से पहले ही उसकी असफलता के बारे में सोचने लगता है. अपने अंदर झांक कर देखे और पहचाने कि आपमें किस प्रकार की कोमलता या प्रबलता है.व्दंव्द इस संसार का स्वभाव है. शांति आत्मा का स्वभाव है.व्दंव्द के बीच शांति को खोजे. व्दंव्द को समाप्त करने की चेष्टा इसे और बढ़ा देती है. वह कामयाबी की सीढ़ी दर सीढ़ी इसी तरह चढ़ता रहे और लोगों के लिए उदाहरण बने, हमारी यही कामनाएं. जीवन में जब हम नेक उद्देश्य के साथ किसी काम में स्वयं को झों कते हैं तो निश्चित तौर पर सफलता प्राप्त होती है. व्यवसाय में एक के अलावा दो-दो दुकानों का संचालन करने वाले संजय विजयकर स्वभाव के बेहतरीन ईंस्सान हैं. यारों के मामले में उनकी उम्दा सोच की सराहना सभी करते हैं. वे कहते हैं कि अच्छा करने वाले के साथ कभी बुरा नहीं हो सकता है. इसलिए सदैव अच्छा करें.

गुरूवार 2 नवंबर से 9 नवंबर 2023

मेष
इस राशि के लोगों के लिए नया साल आशा आकांक्षाओं को प्रफुल्लीत करने वाला साबित होगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ
नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

मिथुन
अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क
आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला
घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ
नए साल में प्रगति का योग है. अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन
दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

ख़ुशी और प्रेम स्वयं को बढ़ाने में होते हैं सक्षम

समाजसेवी सुदर्शन गांग का मत, विनम्रता में हर व्यक्ति को ऊंचाई तक पहुंचाने की होती है ताकत

अमरावती- ज़ीवन में प्रेम, खुशी और विनम्रता ऐसे शब्द हैं, जो आपको खुश, तरक्की के मार्ग के साथ ही सभी के दिलों में आपका स्थान बनाने की क्षमता रखते हैं. जबकि अहंकार एकमात्र ऐसा दुश्मन होता है तो आसमान से सीधे जमीन पर पटक देता है. इसलिए जीवन में विनम्रता के साथ ही अपने अहंकार को खत्म करने में सफल रहने वाले व्यक्ती को कभी किसी बात की कमी नहीं होती है. इस आशय का मत भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय पदाधिकारी, राज्य भूषण सहित दर्जनों पुरस्कारों से सम्मानित सुदर्शन गांग ने व्यक्त किया.

2 फरवरी को जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान द्वारा संपर्क करने पर उन्हों ने बताया कि जीवन क्षणभंगुर होता है. इसका सोना करना है या मिट्टी करना है, यह हमको उक्त तीन गुणों के आधार पर तय करना पड़ता है.

मानवता की सेवा से बड़ी सेवा नहीं हो सकती है. हर व्यक्ति को जितना संभव हो, इसे करने का प्रयास करना चाहिए. इससे निश्चित तौर पर जीवन में खुशियों के साथ ही देश भी तरक्की करेगा. भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय और मानव सेवी कार्यों का हिस्सा रहने को अपने जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धी बताते हुए वे कहते हैं कि जम्मू कश्मीर से बच्चों को बेहतरीन शिक्षा के लिए लाने का मामला हो या आदिवासी बहुल धारणी, मेलघाट के सैकड़ों बच्चों को बेहतरीन शिक्षा देकर उनका जीवन संवारने का मामला हो,

सभी पल ऐतिहासिक रहे हैं. संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शांतिलालजी मुथा को प्रेरणास्थान बताने वाले सुदर्शन गांग के मुताबिक जीवन को मानव सेवा में किस तरह झों का जा सकता है और कितने लोगों की दुवाएं प्राप्त की जा सकती हैं, इसका आदर्श उदाहरण भारतीय जैन संगठन के संस्थापक शांतिलाल मुथा तथा सभी पदाधिकारी हैं. जिन्होंने जीवन में मानवता की सेवा की ऐसी अलख जगाई है, जो आने वाले सैकड़ों वर्षों से जैन समाज की मानवता को महिमामंडित करती रहेगी.

ख़ुशियों को जीवन का महत्वपूर्ण अंग मानने वाले तथा भक्तीभाव से ओतप्रोत रहने वाले सुदर्शन गांग के मुताबिक इन्सान को इन्सान के काम आना चाहिए. इससे इंकार नहीं किया जा सकता है. लेकिन इसके साथ ही जिंदगी में ऐसे कई मुकाम आते हैं. जब सोच के साथ आगे बढ़ना पड़ता है. इन्सानी प्रेम ही बड़ी से बड़ी समस्या को हल करने का माध्यम बनता है. बहुगुणी, सर्वगुण सम्पन्न के साथ ही विनम्रता की मूर्ति रहने वाले सुदर्शन गांग न केवल महाराष्ट्र बल्कि राष्ट्रीय स्तर के समाजसेवी रहने के बाद भी उनकी विनम्रता, विद्वता, किसी को समझने की काबिलियत और मानवता की सेवा में स्वयं को झोंके रखने, हर विषय का गहन ज्ञान रखने की खूबी से कोई भी प्रभावित हुए बगैर नहीं रहता है. उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, जय गोविंदा के चरणों में यही कामना.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

मत बुरा कर्म कर बंदे, वर्ना पछताएगा

प्रभु ने हमें जो आदर्श जीवन दिया है, यह केवल हमारे लिए ही नही है. बल्कि इस जीवन का हम किस तरह स्वयं के कल्याण के साथ ही मानव कल्याण के लिए यथासंभव उपयोग करते हैं. ज़ो जीवन में केवल अपने लिए ही जीते हैं, उनमें और पशुओं में कोई अंतर नही होता है. लेकिन जो गरीबों, जरूरतमंदों को अपनी क्षमता के मुताबिक मदद देने का काम करते हैं, प्रभु सदैव उनकी झोली खुशियों से भर देता है. इसलिए भाव के साथ देव का विश्वास रखते हुए सदैव अच्छा करने का प्रयास करें. किसी के साथ छल करने के बाद अपने साथ वैसा ही छल होगा, यह निश्चित मानकर चलें. बुरा करनेवाले को उसका दंड भुगतना ही पड़ता है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 30 नवंबर से 6 दिसंबर 2023 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 23 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत है. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

ज़ीवन में सगे नाते-रिश्तों में राजनीति कभी नहीं करनी चाहिए. हमारा स्वयं का महत्व बढ़ाने के लिए अगर हम परिवार के किसी भी सदस्य की इज्जत घटाने का प्रयास करते हैं तो हमारा प्रयास कभी भी सफल नहीं हो सकता है. यह सोचने वाली बात है कि जब अपनों की बुराई हम किसी दूसरे से करते हैं तो उसकी नजर में हम भी बेहतरीन कभी नहीं हो सकते हैं. इसलिए रिश्तों के महत्व को समझने का प्रयास करना चाहिए.

सुभाषचंद्र जे. दुबे, संपादक-विदर्भ स्वाभिमान, 9423426199/8855019189

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com